आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 254 | उज्जैन, रविवार 03 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

प्रदेश में हर तीसरे दिन उद्योग जगत को नई सौगात और युवाओं को मिल रहे हैं रोजगार के अवसरः मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री मोदी भारत फर्स्ट की भावना से देश के किसान और उद्योगपतियों के लिए हैं संघर्षरत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बदलते दौर में भारत की भूमिका विश्व में निरंतर महत्वपूर्ण हो रही है। भारत को कभी सोने की चिड़िया कहा जाता था। आज भारत सोने के बाघ की तरह दहाड़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भारत फर्स्ट की भावना से देश के किसान और उद्योगपतियों के लिए दुनिया से लोहा लेने को तैयार हैं। उनकी मंशा के अनुरूप प्रदेश में हर दूसरे या तीसरे दिन उद्योगों को नई सौगात और युवाओं को रोजगार का लाभ मिल रहा है।

इसी क्रम में सीहोर के बडियाखेड़ी में 2000 करोड़ रुपए के निवेश से नए उद्योग आरंभ किए जाएंगे। सीहोर में जल्द ही एक लाख मैट्रिक टन सब्जियों की खरीद की व्यवस्था शुरू होगी, इससे जिले के दो लाख परिवारों को लाभ मिलेगा। सीहोर में पावर ट्रांसफार्मर की इकाई लगने से भी रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सीहोर को ÷पार्वती काली सिंध चंबल परियोजना÷ का लाभ भी मिलेगा। आगामी वर्षों में सीहोर, भोपाल मेट्रोपॉलिटन सिटी का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सीहोर जिले के बडियाखेड़ी में नई औद्योगिक इकाइयों के भूमि-पूजन और आशय-पत्र वितरण कार्यक्रम में उपस्थित जन समुदाय को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में 400 से अधिक उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

रोजगारपरक उद्योग लगाने विशेष प्रोत्साहन प्रदान कर रही है राज्य सरकार मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योग लगाने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। राज्य सरकार उद्योगपतियों को हर संभव सहयोग कर प्रदेश में रोजगार परकउद्योग लगाने को विशेष प्रोत्साहन दे रही है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के लिए प्रदेश से बाहर जाने की जरूरत न पड़े। प्रदेश में महिलाकर्मियों के लिए 10 साल तक 6000 रुपये प्रति माह और पुरुषकर्मियों के लिए 5000 रुपये मासिक अनुदान राज्य सरकार की ओर से उद्योगपतियों को दिया जाएगा।

पाकिस्तान से अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों को खाली करने को कहता रहा है भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान ने भारतीय केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा कर रखा है।

जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख भारत का अभिन्न अंग- विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, भारत सरकार लगातार पाकिस्तान से अवैध और जबरन कब्जे वाले सभी क्षेत्रों को तुरंत खाली करने के लिए कहती रही है।

भारत सरकार ने पाकिस्तान सरकार के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संपूर्ण जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख भारत के अभिन्न अंग रहे हैं, अभी भी हैं और सदैव रहेंगे। यह बात भारतीय संसद द्वारा 1994 में सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव में भी प्रतिपादित की गई थी।

भारत ने आतंकवाद की जड़ों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की- उन्होंने कहा, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित आधिकारिक मानचित्र स्पष्ट रूप से पूरे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत संघ के हिस्से के रूप में दर्शाते हैं, जिसमें पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्र भी शामिल हैं।

रूस के साथ रिश्ते समय की कसौटी पर खरे, तीसरे देश के चश्मे से न देखें, ट्रंप के तंज पर अब भारत ने दिया पैगाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस से पेट्रोलियम पदार्थ और हथियार खरीदने के कारण 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले के बाद विदेश मंत्रालय शुक्रवार को रूस के साथ भारत के दीर्घकालिक संबंधों का बचाव किया।

मंत्रालय ने इन्हें स्थिर और समय की कसौटी पर खरा बताया। साथ ही कहा कि इन्हें किसी तीसरे देश के चश्मे से न देखा जाए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस बात पर जोर दिया कि किसी भी देश के साथ भारत के संबंध उसके अपने गुणदोष पर आधारित होते हैं और इन्हें किसी तीसरे देश के नजरिये से नहीं देखा जाना चाहिए। जहां तक भारत-रूस संबंधों का सवाल है, हमारी साझेदारी स्थिर और समय की कसौटी पर खरी है।

जायसवाल ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा खरीद बाजार के रुख और राष्ट्रीय हितों के आधार पर होती है। साथ ही कहा कि सरकार को भारतीय तेल कंपनियों की ओर से रूसी आयात रोकने के संबंध में किसी विशेष घटनाक्रम की जानकारी नहीं है।

मालेगांव केस में पीएम मोदी और मोहन भागवत का नाम लेने के लिए डाला जा रहा था दबाव, प्रज्ञा ठाकुर का बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व बीजेपी सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने 2008 मालेगांव विस्फोट मामले में एक बड़ा बयान दिया है।

प्रज्ञा ठाकुर का दावा- उन्होंने दावा किया है कि जांच के दौरान अधिकारियों ने उन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत का नाम लेने का दबाव डाला था।

आरोपी किए गए बरी- यह बयान तब आया है जब NIA की विशेष अदालत ने उन्हें और छह अन्य आरोपियों को इस केस में बरी कर दिया है। ह्द्ध कोर्ट ने गुरुवार को 2008 मालेगांव विस्फोट मामले में प्रज्ञा ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित और पांच अन्य को सभी आरोपों से बरी कर दिया।

बता दें, मालेगांव में हुए बम विस्फोट केस में 6 लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। कोर्ट ने अपने फैसले में यह भी बताया है कि गवाह अपने पहले के बयानों से पलट गए थे।

गवाहों ने क्या दावा किया- प्रज्ञा ठाकुर के अलावा कुछ गवाहों ने भी कोर्ट में दावा किया है कि उन पर दबाव डालकर बयान लिए गए थे। एक गवाह ने कहा कि उससे जबरन सीएम योगी आदित्यनाथ और आरएसएस नेताओं के नाम बोलने को बोला गया था।

पूर्व.ङ्मस् अधिकारी मेहबूब मुजावर ने तो यहां तक कह दिया था कि उन्हें RSS प्रमुख मोहन भागवत को गिरफ्तार करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। उन्होंने कहा कि यह पूरी कोशिश भगवा आतंकवाद का झूठा चित्रण बनाने के लिए की गई थी।

दिल्ली से लेकर पहाड़ों तक बारिश का कहर, हिमाचल में तीन जगह फटे बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून के कारण पहाड़ी राज्यों के साथ ही मैदानी इलाकों में आम जनजीवन प्रभावित है। जम्मू-कश्मीर में अमरनाथ यात्रा को भारी वर्षा के कारण तीन अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

राजस्थान में 16 जिलों के स्कूल बंद- वहीं केदारनाथ यात्रा भी भारी बारिश के चलते हो रहे भूस्खलन के कारण तीसरे दिन भी स्थगित रही। हिमाचल में तीन जगहों पर बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। उधर राजस्थान में भारी वर्षा के कारण 16 जिलों के स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

हिमाचल में तीन जगह बादल फटे- हिमाचल के लाहुल घाटी में शुक्रवार को तीन जगह बादल फटे। सुबह तिंदी के समीप पूहरे नाले में बाढ़ आने से एक वाहन मलबे में फंस गया। बाढ़ आने से उदयपुर-किलाड़ सड़क भी बंद हो गई जिसे शाम को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने बहाल कर दिया। दूसरी घटना लाहुल की यांगला घाटी में हुई। जहां बाढ़ आने से लोगों ने भागकर जान बचाई। बादल फटने की तीसरी घटना लाहुल के जिस्पा में हुई।

कांगड़ा जिले में मूसलधार वर्षा से सात पशुशालाएं और दो मकान गिर गए। हरिपुर तहसील के तहत गुलेर गांव में 76 वर्षीय बुजुर्ग की ढांक से गिरने के कारण मौत हो गई। सिल्ट बढ़ने से चंबा की बाजोली-होली और ग्रीनको बुधिल पनविद्युत प्रोजेक्ट को सुरक्षा कारणों से अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिया है।

संस्कृत को भारत में घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता- मोहन भागवत

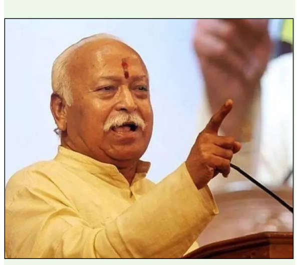

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संस्कृत सभी भारतीय भाषाओं की जननी है। इसे संचार का माध्यम बनाने के साथ ही घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

उन्होंने संस्कृत के संरक्षण और प्रचार-प्रसार की वकालत की। भागवत ने आगे कहा कि यह एक ऐसी भाषा है जो हमारी भावनाओं को विकसित करती है। सभी को इस प्राचीन भाषा को जानना चाहिए।

भारत-ब्रिटेन FTA अमेरिका के लिए रणनीतिक सबक, मिडिल ईस्ट मीडिया एंड रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में और क्या कहा?

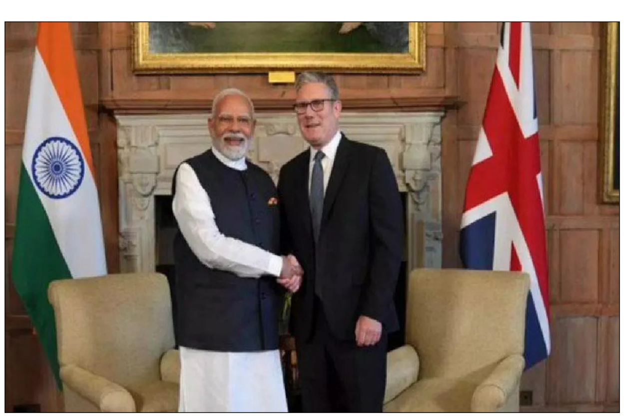

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते से प्रेरणा लेकर वर्तमान अमेरिकी प्रशासन के पास भारत के साथ अपने संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने का अवसर है। एक प्रतियोगी के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक साझीदार के रूप में, जो साझा समृद्धि को बढ़ा सकता है। वाशिंगटन स्थित गैर-लाभकारी संस्था मिडिल ईस्ट मीडिया एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एमईएमआरआइ) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत-ब्रिटेन एफटीए अमेरिका के लिए सबक है और वार्ता की सफलता के लिए भारत-अमेरिका को इसे नए सिरे से शुरू करना होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के साथ एफटीए करने में भारत की हालिया उपलब्धि अमेरिका के साथ उसकी व्यापार वार्ता में जारी तनावपूर्ण और लंबी वार्ताओं के बिल्कुल विपरीत है।

इसमें कहा गया है कि भारत-ब्रिटेन के बीच एफटीए केवल एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि यह आपसी समझ, रणनीतिक जुड़ाव और समावेशी विकास के लिए साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है।

रिपोर्ट कहती है कि यह समझौता दो परिपक्व अर्थव्यवस्थाओं के बीच तीन वर्ष की बीच-बीच में रुकती रही, लेकिन अंततः फलदायी वार्ता से तैयार हुआ, जिन्होंने दिखावे के बजाय व्यावहारिकता को चुना। ब्रेक्जिट के बाद की अपनी आर्थिक पहचान को आगे बढ़ाते हुए ब्रिटेन ने भारत को न केवल एक बाजार, बल्कि एक ऐसा साझीदार देखा, जिसका आर्थिक उत्थान उसकी अपनी औद्योगिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा कर सकता है।

इसके अनुसार, उन्नत विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल तकनीकों पर केंद्रित ब्रिटेन की आधुनिक औद्योगिक रणनीति, भारत के सुधार आधारित विकास पथ और 2027 तक 5 लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनने की उसकी आकांक्षा के साथ मेल खाती है।

भारत-ब्रिटेन समझौता केवल टैरिफ में कटौती तक ही सीमित नहीं है। इसने 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शून्य-शुल्क की पेशकश की और पेशेवरों के लिए गतिशीलता को सुव्यवस्थित किया।

भारत को कहा था 'Dead Economy', लेकिन अपनी अर्थव्यवस्था पर क्या बोलेंगे ट्रंप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया। उन्होंने कहा कि ये शुल्क 1 अगस्त से लागू होंगे। हालांकि, अब इसके 7 दिनों के लिए टाल दिया गया है। इतना ही नहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ने तंज कसते हुए भारत की अर्थव्यवस्था को डेड बता दिया।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने भले ही सुर्खियों में बनने के लिए ऐसा बयान दे दिया हो, लेकिन उनकी ये बात हकीकत में बिल्कुल भी मेल नहीं खाती है। भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकोनॉमी में से एक है। वहीं, इसके उलट अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति इस समय बहुत अच्छी नहीं है।

डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका में आर्थिक आंकड़ों में निराशाजनक बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हाल के दिनों में आए कमजोर आर्थिक आंकड़ों ने ट्रंप की नीतियों के प्रभावों को लेकर चिंताजनक स्थिति दर्शाई है। इस रिपोर्ट में पता चलता है कि अमेरिका इस समय नौकरी वृद्धि में कमी, बढ़ती मुद्रास्फीति और पिछले साल की तुलना में धीमी आर्थिक वृद्धि जैसे समस्याओं का सामना कर रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति बनने के ठीक बाद कई प्रकार के दावे अमेरिकी इकोनॉमी को लेकर किए थे। हालांकि, अब 7 महीने बाद उनके दावे फेल होते नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति की नीतियों के प्रभाव अब अस्पष्ट होते नजर आ रहे हैं।

अमेरिका में नौकरियों में वृद्धि कम हो रही है। मुद्रास्फीति बढ़ रही है। पिछले साल की तुलना में विकास दर धीमी हो गई है। कहा जा रहा है कि अमेरिका में लगातार ट्रंप के नए-नए फैसलों के कारण इस प्रकार की समस्याएं देखने को मिल रही हैं।

किस चीज का श्रेय लेना चाहते हैं डोनाल्ड ट्रंप- बता दें कि अपने कार्यकाल के करीब 6 महीने से अधिक समय के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए गए टैरिफ और उनके द्वारा बनाए गए नए कानून ने अमेरिका की व्यापार, विनिर्माण तथा प्रणालियों को अपनी पसंद के अनुसार बदला। माना जा रहा रहा है कि ट्रंप किसी संभावित जीत के लिए काफी बेताब हैं। इतना ही नहीं वह अमेरिका में वित्तीय स्थिति के डगमगाने का दोष किसी और मढ़ने की तलाश में हैं।

रिपोर्ट देने वाली एजेंसी के प्रमुख पर गिरी गाज- बता दें कि शुक्रवार को सामने आई रोजगार रिपोर्ट के बाद अमेरिका में कई प्रकार की चर्चा होने लगी। ये रिपोर्ट काफी निराशाजनक निकली। इसके बाद इन आंकड़ों में दी गई चेतावनियों को डोनाल्ड ट्रंप ने नजरअंदाज किया। इतना ही नहीं मासिक रोजगार के आंकड़े तैयार करने वाली एजेंसी के प्रमुख को बर्खास्त कर दिया।

क्या कहते हैं अमेरिका के आर्थिक आंकड़े- हाल के दिनों में अमेरिका में नौकरियों को लेकर एक आर्थिक आंकड़ा सामने आया है।

AI की दुनिया में चीन का कमाल, पहली बार रोबोट को PhD में मिला दाखिला; छात्रों के जैसे करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई और रोबोटिक्स की तकनीक में हर रोज एक नया विस्तार देखने को मिल रही है। एआई पर दुनिया के कई देशों में काम हो रहा है, तो वहीं इसकी मदद से चीन एक से बढ़कर एक नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि हाल के दिनों में ऐसा देखने को मिला है।

दरअसल, चीन में पहली बार दुनिया के किसी एआई रोबोट को पीएचडी में दाखिला दिया गया है। इस रोबोट का नाम Xueba 01 है, जो चार साल का PhD प्रोग्राम करने जा रहा है। खबर के सामने आने के बाद लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं।

दुनिया का पहला AI रोबोट, जो PhD करेगा- चीन के Xueba नाम के एआई रोबोट का दाखिला चार साल के PhD कार्यक्रम में कराया गया है। जुएबा नामक इस रोबोट को वर्ल्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कॉन्फ्रेंस के दौरान डॉक्टरेट करने के लिए चुना गया है। बता दें कि ये रोबोट अगले चार साल के लिए शंघाई थिएटर एकेडमी में PhD करेगा।

जानकारी के अनुसार, इस रोबोट को बनाने में शंघाई यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलॉजी और ड्रॉइडअप रोबोटिक्स की खास भूमिका रही है। बताया जा रहा है कि जुएबा चीनी ओपेरा पर रिसर्च करेगा।

इंसानों जैसे दिखने वाले इस रोबोट की खासियत- बता दें कि ये एक ह्यूमनॉइड रोबोट है। यह देखने में बिल्कुल किसी इंसान जैसा लगता है। इसकी स्किन सिलिकॉन से बनी है। इतना ही नहीं इस रोबोट के चेहरे के भाव इंसानों के जैसे ही हैं। रोबोट का वजन 30 किलोग्राम के करीब है।

रूस से तेल नहीं खरीदेगा भारत, ये बेहतर कदम... सरकार के बयान के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने किया बड़ा दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय एक से एक बड़ा दावा कर रहे हैं। इस बीच उन्होंने भारत और रूस को लेकर बड़ी बात कह दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि आने वाले समय में भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर सकता है। उन्होंने इस बात को अच्छा संकेत भी बता दिया। दरअसल, कुछ रिपोर्ट्स के आधार पर डोनाल्ड ट्रंप ने ये दावा किया है। उन्होंने यह भी कह दिया कि अगर इस फैसले की पुष्टि हो जाती है तो, ये एक अच्छा संकेत हो सकता है।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, एक पीसी के दौरा जब डोनाल्ड ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्होंने भारत पर जुर्माने या पीएम नरेंद्र मोदी से बात करने की कोई योजना बनाई है। इस सवाल के जवाब में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे सुनने में आया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। मैंने सुना है, लेकिन मुझे नहीं पता कि यह सही है या नहीं। अगर ऐसा होता है तो यह अच्छा कदम है। अब देखे हैं आगे क्या होता है।

भारत ने भी दी प्रतिक्रिया- इधर, भारत की ओर से इस मामले पर टिप्पणी की गई है। पिछले कुछ समय में हुए घटनाक्रम को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत और रूस के संबंध लंबे समय से स्थिर हैं और यह संबंध परखे हुए हैं।

इसके साथ ही रणधीर जायसवाल ने दोहराया कि भारत-अमेरिका संबंध साझा हितों, लोकतांत्रिक मूल्यों और जन-जन के जुड़ाव पर आधारित हैं और इस विश्वास के साथ कहा कि मौजूदा तनाव के बाद भी दोनों देश आगे बढ़ते रहेंगे।

अफगानिस्तान में आतंकी संगठन आइएस-के का विस्तार अमेरिका-यूरोप के लिए गंभीर खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अफगानिस्तान में आइएस-के का विस्तार अमेरिका, यूरोप और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बनकर उभर रहा है। अफगानिस्तान एक बार फिर विदेशी आतंकियों का केंद्र बन रहा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को 30 जुलाई को सौंपी गई रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा कि आइएस-के चरमपंथियों की भर्ती और उन्हें कट्टरपंथी बनाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्म का उपयोग कर रहा है। रिपोर्ट में समूह की बढ़ती पहुंच और वैश्विक आतंकवादी हमलों को प्रेरित करने की इसकी क्षमता पर चिंता जताई।

रिपोर्ट में हाल ही में हुई कई आतंकवादी साजिशों को आइएस के दुष्प्रचार से कट्टरपंथी बने लोगों या चल रहे गाजा-इजरायल संघर्ष से प्रभावित लोगों से जोड़ा गया है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि अफगानिस्तान और मध्य एशिया में लौटने वाले विदेशी लड़ाकों की मौजूदगी क्षेत्र को और अस्थिर कर सकती है और आइएस-के के प्रभाव को बढ़ा सकती है।

रूस के कुरील द्वीप समूह में महसूस हुए भूकंप के तेज झटके, अफगानिस्तान में भी हिली धरती; लोगों में दहशत

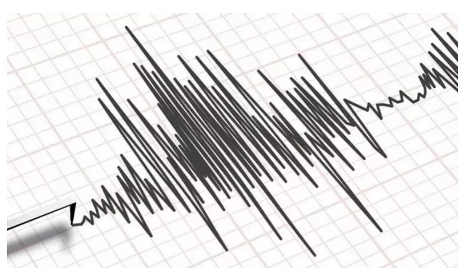

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के कुरील द्वीप समूह में एक बार फिर शुक्रवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, शुक्रवार देर रात कुरील द्वीप समूह के पूर्व में 6.2 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। बताया जा रहा है कि भूकंप शुक्रवार को भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार 23:50 बजे 32 किलोमीटर की गहराई पर आया था। अभी तक इस भूकंप के कारण किसी भी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। हालांकि, इसके बाद प्रशासन अलर्ट है।

बुधवार को आया था बेहद शक्तिशाली भूकंप- जानकारी दें कि इससे पहले बुधवार को रूस के कामचाटका में 8.8 तीव्रता का भूकंप आया था। बताया जा रहा है कि ये अब तक का छठा सबसे शक्तिशाली भूकंप था। हालांकि, गनीमत इस बात की रही कि इस आपदा में कोई हताहत नहीं हुआ। क्रेमलिन ने कहा कि रूस में कोई हताहत नहीं हुआ।

इसके अलावा सीएनएन की एक रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, तट पर आए 8.8 तीव्रता के भूकंप के बाद से 16 घंटे से अधिक समय में रूस के निकट 4.4 या उससे अधिक तीव्रता के लगभग 125 झटके महसूस किए गए हैं।

अफगानिस्तान में महसूस हुए भूकंप के झटके- अफगानिस्तान में भी तड़के सुबह भूकंप के तेज झटक महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक, आज तड़के सुबह अफगानिस्तान में 5.5 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। भूकंप भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार 02:33 बजे 87 किलोमीटर की गहराई पर आया।

अमेरिका में भारतीय वाणिज्य दूतावास का विस्तार, वीजा और पासपोर्ट सेवाओं के लिए खोले नए केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अमेरिका में आठ नए वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्रों का उद्घाटन किया, जिससे वीजा, पासपोर्ट और अन्य सेवाओं की पहुंच में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने शुक्रवार को बोस्टन, कोलंबस, डलास, डेट्राइट, एडीसन, आरलैंडो, रैले और सैन जोस में नए भारतीय वाणिज्य दूतावास आवेदन केंद्रों (आइसीएसी) का वर्चुअल उद्घाटन किया। एक अतिरिक्त आइसीएसी जल्द ही लास एंजिलिस में खोला जाएगा।

मिलेंगी ये सुविधाएं- एक अगस्त 2025 से सभी वाणिज्यिक सेवाएं, जिसमें पासपोर्ट, वीजा, ओसीआइ, सरेंडर सर्टिफिकेट, जीवन प्रमाण पत्र, जन्म/विवाह प्रमाण पत्र, पुलिस क्लियरेंस और अन्य सुविधाएं शामिल हैं, केवल वीएफएस ग्लोबल केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी।

ज्यादा सुलभ हुई सेवाएं- इस विस्तार के साथ अमेरिका में आईसीएसी की कुल संख्या 17 हो गई है, जिससे देश में भारतीय और अमेरिकी नागरिकों के लिए वाणिज्यिक सेवाएं अधिक सुलभ हो गई हैं। क्वात्रा ने इसे अमेरिका में भारतीय दूतावास द्वारा प्रदान की जाने वाली वाणिज्यिक सेवाओं की पहुंच का महत्वपूर्ण विस्तार बताया, जहां लगभग 50 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं।

हमारे निशाने पर परमाणु..., अमेरिकी पनडुब्बियों की तैनाती पर बोले रूस के सांसद; दोनों देशों में बढ़ेगी तनातनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी संसद ड्यूमा के एक सदस्य ने कहा है कि रूस का मुकाबला करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भेजी गई दो अमेरिकी पनडुब्बियों से निपटने के लिए समुद्र में पर्याप्त रूसी परमाणु पनडुब्बियां मौजूद हैं।

रूसी सांसद विक्टर वोडोलात्स्की ने कहा, दुनिया के महासागरों में रूसी पनडुब्बियों की संख्या अमेरिकी पनडुब्बियों से बहुत ज्यादा है और जिन पनडुब्बियों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भेजने का आदेश दिया है, वे लंबे समय से उनके नियंत्रण में हैं। इसलिए, पनडुब्बियों के बारे में अमेरिकी नेता के बयान पर रूस की ओर से कोई प्रतिक्रिया जरूरी नहीं है।

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या बोला था- इससे पहले शुक्रवार (01 अगस्त, 2025) को ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कहा था कि उन्होंने पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के बेहद भड़काऊ बयानों की वजह से कथित तौर पर उचित क्षेत्रों में अमेरिकी पनडुब्बियों को फिर से तैनात करने का आदेश दिया था।

निशाने पर हैं अमेरिकी पनडुब्बियां- इस पर रूसी सांसद ने कहा, दोनों अमेरिकी पनडुब्बियों को रवाना होने दीजिए, वे लंबे समय से निशाने पर हैं। उन्होंने आगे कहा, रूस और अमेरिका के बीच एक मौलिक समझौता होना चाहिए ताकि पूरा विश्व शांत हो जाए और तृतीय विश्व युद्ध की शुरुआत के बारे में बात करना बंद कर दे।

पुणे में सांप्रदायिक हिंसा मामले में पुलिस का एक्शन, 500 से अधिक लोगों पर FIR

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले की दौंड़ तहसील के यवत गांव में शुक्रवार को कथित आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद दो गुटों में झड़प हो गई। इस दौरान आगजनी और संपत्ति को नुकसान भी पहुंचाया गया।

पुलिस ने इस पूरे मामले में बड़ा एक्शन लिया है। शुक्रवार को हुई इस झड़प के बाद पुलिस ने 500 से अधिक लोगों के खिलाफ चार मामले दर्ज किए हैं। इसके अलावा 17 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस झड़प को रोकने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था।

पोस्ट अपलोड करने वाला आरोपी गिरफ्तार- शनिवार को अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पर पोस्ट अपलोड करने वाले युवक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ एक अलग मामला दर्ज किया गया है।

इस संबंध में यवत पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि अब तक हमने हिंसा के सिलसिले में कुल पांच मामले दर्ज किए हैं। इनमें से चार मामले 500 से अधिक लोगों के खिलाफ हैं जो कथित आगजनी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने में शामिल थे। इन 500 से अधिक लोगों में से 100 से अधिक लोगों की पहचान हो गई है और 17 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

इलाके में बहाल हुई शांति- घटना में शामिल लोगों ने एक मोटरसाइकिल, दो कारों, एक धार्मिक स्थल और एक बेकरी को निशाना बनाया और आगजनी की। पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े और लाठीचार्ज करना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि यवत में एहतियाती आदेश लागू कर दिया गया है और स्थिति नियंत्रण में है।

मणिपुर के जिरीबाम हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार, कई महिलाओं और बच्चों को उतारा था मौत के घाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पिछले साल मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या करने में शामिल एक और मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, NIA ने इस आरोपी को मुख्य साजिशकर्ता करार दिया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी का नाम थांगलियानलाल हमार उर्फ बोया है, जो असम के कछार जिले के मोइनाथोल दिलकशोश घाट इलाके का रहने वाला है। गुरुवार को असम पुलिस एवं NIA की संयुक्त कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किया गया।

घटना का मुख्य साजिशकर्ता- NIA ने इस गिरफ्तारी के बाद एक बयान जारी किया है। इस बयान में कहा गया कि यह गिरफ्तारी एनआईए और असम पुलिस की एक संयुक्त टीम द्वारा आइजोल से एक अन्य आरोपी थांगलीनलाल हमार की गिरफ्तारी के तुरंत बाद हुई है। जांच एजेंसी ने कहा कि थंगलीनलाल की तरह, लालरोसांग भी इस जघन्य अपराध में एक सक्रिय साजिशकर्ता था।

NIA ने अपने बयान में कहा कि आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन और एक सिम कार्ड जब्त किया है और मामले की आगे की जांच के तहत उसकी जांच कर रही है।

सड़क किनारे पड़ी थीं तीन लाशें, पास में बिखरा था पाउडर; राजस्थान में सनसनीखेज वारदात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के भरतपुर जिले से शनिवार को एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां सड़क किनारे एक दुकान के पास एक महिला और उसके 12 वर्षीय बेटे और एक युवक की लाश मिली है।

पुलिस के मुताबिक, तीनों मृतक पिछले दो दिनों से लापता थे और अब उनकी मौत के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अनीता, उनके बेटे और भांजे शुभम के रूप में हुई है।

मौके से मिला संदिग्ध पाउडर का पैकेट- तीनों की लाशें भरतपुर के कंजोली गांव में एक दुकान के बाहर मिली है। 12 वर्षीय बेटा अपनी मां अनीता के साथ ही घर से गया था और शुभम उनका रिश्तेदार था।

मौके से पुलिस को एक संदिग्ध पैकेट मिला है, जिसमें कोई अज्ञात पाउडर था। उस पाउडर के कुछ अंश तीनों शवों के पास भी बिखरे मिले हैं। पुलिस का कहना है कि पाउडर क्या है इसका पता फोरेंसिक जांच लगाया जाएगा।

कर्नाटक में रहता है पति- पुलिस जांच में पता चला है कि अनीता अपने बेटे के साथ दो दिन पहले करौली से भरतपुर जाने की बात कहकर घर से निकली थी। अनीता का पति देवेंद्र कर्नाटक में रहता है।

जबरन धर्मांतरण और मानव तस्करी मामले में फंसी केरल की 2 नन को मिली जमानत, बिलासपुर NIA कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में एक खास अदालत ने जबरन धर्मांतरण और मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार की गई दो ननों समेत तीन लोगों को जमानत दे दी है।

यह मामला 25 जुलाई को सामने आया था, जब इन लोगों को दुर्ग रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था। अदालत ने शनिवार को इस मामले में जमानत का फैसला सुनाया है।

किसने की थी शिकायत- दरअसल, केरल की दो कैथोलिक नन प्रीथि मेरी और वंदना फ्रांसिस और उनके साथ एक स्थानीय महिला सुकामन मंडावी को दुर्ग रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया था। बजरंग दल के एक स्थानीय पदाधिकारी ने इनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद इनकी गिरफ्तारी हुई थी।

क्या था आरोप- बजरंग दल के स्थानीय पदाधिकारी का आरोप था कि ये तीनों लोग नारायणपुर की तीन लड़कियों को जबरदस्ती ईसाई धर्म में बदलवाने के लिए ले जा रहे थे। रेलवे पुलिस ने बताया कि आरोप मानव तस्करी और जबरन धर्मांतरण से जुड़ा है। पुलिस ने लड़कियों को वापस उनके घर भेज दिया है।

अदालत ने क्या फैसला सुनाया- यह मामला NIA कोर्ट में गया और शुक्रवार को सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला शनिवार को सुनाया है। बिलासपुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सिराजुद्दीन कुरैशी ने तीनों आरोपियों को शर्तों के साथ जमानत दी।

डिफेंस वकील अमृतो दास ने बताया कि सरकार ने इन तीनों की हिरासत की कोई मांह नहीं की और पीड़ित लड़कियों को उनके घर भेज दिया गया है।

ऐसा तो बाइडन ने पूरे कार्यकाल में नहीं किया... ट्रंप ने 7 महीने में ही 1700 भारतीयों को अमेरिका से निकाला बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल जनवरी में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से अमेरिका से भारतीयों के निर्वासन में जबरदस्त उछाल आया है। इससे पहले जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान के आंकड़ों पर अगर गौर किया जाए तो ये संख्या दो गुनी से ज्यादा है।

इस साल औसतन हर दिन कम से कम 8 भारतीयों को निर्वासित किया गया है, जबकि 2020 से दिसंबर 2024 के बीच ये संख्या प्रतिदिन लगभग 3 थी। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2020 से जुलाई 2025 के बीच साढ़े पांच सालों में 7,244 भारतीयों को अलग-अलग कारणों से निर्वासित किया गया और उनमें से लगभग एक चौथाई 1,703 ट्रंप के दूसरी बार पदभार ग्रहण करने के बाद वापस भेजे गए।

डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद कड़ी हुई आव्रजन नीति

ट्रंप प्रशासन ने 2025 की शुरुआत से ही आव्रजन नीति को कड़ा कर दिया। विदेश विभाग ने कहा, ÷हम वीजा धारकों की लगातार जांच करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे सभी अमेरिकी कानूनों और आव्रजन नियमों का पालन कर रहे हैं। अगर वो ऐसा नहीं कर रहे हैं तो हम वीजा रद कर देंगे और उन्हें निर्वासित कर देंगे।

अमेरिका ने कैसे की भारतीयों की वापसी- विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस साल निर्वासित किए गए 1703 लोगों में से 864 का निर्वासन चार्टर और सैन्य उड़ानों के जरिए हुआ। अमेरिकी सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सैन्य उड़ानों) ने 5, 15 और 16 फरवरी को 333 लोगों को वापस भेजा। अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने प्रवर्तन और निष्कासन अभियानों के जरिए 19 मार्च, 8 जून और 25 जून के चार्टर फ्लाइट के जरिए कुल 231 लोगों को निर्वासित किया।

होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने भी चार्टर के जरिए 5 और 18 जुलाई को 300 लोगों को वापस भारत भेजा।

पति को नपुंसक बोलना मानहानि नहीं, तलाक के केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने खारिज कर दी याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा है कि तलाक की कार्यवाही के दौरान पत्नी की ओर से पति के विरुद्ध लगाए गए नपुंसकता के आरोप मानहानि नहीं हैं और ऐसे दावे, जब महिला के हितों की रक्षा के लिए किए जाते हैं तो कानूनी प्रक्रिया का जरूरी हिस्सा हैं।

जस्टिस एस एम मोदक ने 17 जुलाई को दिए आदेश में एक शख्स की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत नपुंसकता के आरोप बहुत प्रासंगिक हैं और तलाक के लिए वैध आधार हो सकते हैं। हालांकि आदेश 17 जुलाई को दे दिया गया था लेकिन इसे सार्वजनिक शुक्रवार को किया गया। दरअसल, पत्नी से अलग रहे शख्स ने मानहानि का केस किया था।

अदालत ने क्या कहा- जस्टिस मोदक ने कहा कि पत्नी को अपने हितों की रक्षा के लिए ये आरोप लगाने का अधिकार है और यह साबित करना है कि शादी में उसके साथ क्रूरता हुई है। आदेश में कहा गया कि नपुंसकता के आरोपों को तलाक का आधार बनाना जरूरी है।

कोर्ट ने कहा, अदालत का मानना है कि जब वैवाहिक रिश्ते में पति-पत्नी के बीच मुकदमेबाजी होता है तो पत्नी की ओर से अपने हितों के समर्थन में आरोप लगाना उचित है। इसे मानहानिकारक नहीं माना जा सकता है।

याचिकाकर्ता का क्या कहना था- याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि उसकी पत्नी की तलाक और भरण-पोषण संबंधी याचिकाओं और एक अलग एफआईआर में किए गए दावे सार्वजनिक रिकॉर्ड का हिस्सा बन गए हैं और इसलिए इससे उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इस शख्स ने कहा था कि अलग रह रही पत्नी ने तलाक और भरण-पोषण की मांग करते हुए अपनी याचिकाओं के साथ-साथ दर्ज कराई गई एफआईआर में दावा किया था कि वह नपुंसक है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः

उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल दशमी

संपादकीय

आज विभिन्न देशों के बीच कटुता बढ़ती जा रही है...

आज विभिन्न देशों के बीच कटुता बढ़ती जा रही है। विभिन्न समुदायों के बीच नफ़रत का दायरा बढ़ता जा रहा है। आंदोलनों का जाल अनेकों देश में घटित समस्याओं के चलते बढ़ता जा रहा है जो हम भारत-पाकिस्तान, रूस-यूक्रेन, इसराइल -हमास कंबोडिया- थाईलैंड,अमेरिका-ईरान,चीन-ताइवान व अन्य देशों के बीच सहित अनेको देशों में देख रहे हैं। मित्रता ! दोस्ती, अपनापन, यदि इस सटीक अस्त्र का उपयोग दुनियां के सभी देश करें तो यूक्रेन-रूस, हमास-इजरायल ईरान- इजरायल के बीच युद्ध व विभिन्न अंतरराष्ट्रीय यूनियनों के बीच कटुता कभी नहीं बढ़ेगी। विश्व के चारों ओर शांति रूपी स्नेह की बारिश होगी तो, खुशहाली को आना ही पड़ेगा। जिसपर हर देश का नागरिक खुशहाल जीवन का लुफ्त उठाएंगे। इसलिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 27 अप्रैल 2011 को अपने 65 वें सेशन में एजेंडा आइटम नंबर 15 कल्चर ऑफ पीस के अंतर्गत 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय मित्रता दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। जबकि भारत अमेरिका बांग्लादेश सहित अनेकों देश अंतर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे अगस्त के पहले रविवार को मनाते आ रहे हैं जो इस वर्ष 2025 के अगस्त का पहला रविवार 3 अगस्त 2025 आया है। वर्तमान परिपेक्ष में अगर मित्रता का वैश्विक परिपेक्ष लेकर, दुनियां के पूरे देशों और नागरिकों द्वारा वर्ष 2025 में अपनाया जाती है तो मेरा मानना है कि आपसी युद्ध की नौबत कभी नहीं आएगी। चूंकि अच्छे मित्र का साथ हो तो बड़ी से बड़ी चुनौतियों सेआसानी से निपटा जा सकता है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,राजनीति और मित्रता - आदर्श या अवसरवाद?-अच्छे मित्र का साथ हो तो,बढ़ी से बढ़ी चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सकता है।

साथियों बात अगर हम मित्र के महत्व को समझने की करें तो, कोई व्यक्ति जन्म के बाद खुद से अपने बल पर जो पहला रिश्ता बनाता है, उसे दोस्ती कहते हैं। परिवार से बाहर एक दोस्त ही हमारा मार्गदर्शक,सलाहकार, राजदार और शुभचिंतक होता है। इसी दोस्ती के नाम एक खास दिन समर्पित किया गया है,जिसे फ्रेंडशिप डे के तौर पर मनाया जाता है। हालांकि दुनियां भर में साल में दो बार दोस्ती दिवस मनाते हैं। ऐसे में कई लोग असमंजस में हैं कि असली मित्रता दिवस किस दिन मनाएं। आमतौर पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अंतर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे 30 जुलाई को मनाया जाता है, जबकि भारत में हर साल अगस्त माह के पहले रविवार को मनाया जाता है, इस दिन हर कोई अपने दोस्तों के साथ एंजॉय करता है, इस साल भारत में 3 अगस्त को फ्रेंडशिप डे मनाया जा रहा है।व्यक्ति के जीवन में दोस्त जरूर होते हैं। अगर न हों तो एक दोस्त जरूर बनाना चाहिए। दोस्ती कभी भी हो सकती हैं, उसमें उम्र, लिंग या किसी अन्य तरीके का कोई भेद नहीं होता। दोस्त आपका ऐसा समर्थक होता है जो हमारी तरक्की के लिए अच्छी सलाह देता है और हमारी खुशी में खुश होता है। ऐसे में हमारे जीवन को सरल, सुलझा हुआ और अधिक मनोरंजक बनाने के लिए दोस्ती दिवस मनाते हैं और इस मौके पर दोस्त को खास महसूस कराते हैं।दोस्ती जीवन के सबसे अनमोल बंधनों में से एक है।यह रिश्ता खून का न होते हुए भी बढ़-चढ़कर साथ निभाता है।सात अक्षरों का शब्द फ्रैंड्स बेशक बहुत सरल हो, लेकिन जब हम किसी परेशानी में होते हैं तो दोस्त हमारे साथ होते हैं। वैसे तो दोस्ती को सेलिब्रेट करने के लिए किसी खास दिन की जरूरत नहीं है,फिर भी इस दिन को और खास बनाने के लिए हर साल फ्रेंडशिप-डे मनाया जाता है।यह दिन दोस्तों के महत्व और हमारे जीवन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी सम्मान और मान्यता देता है।

हृदय प्रत्यारोपण दिवस

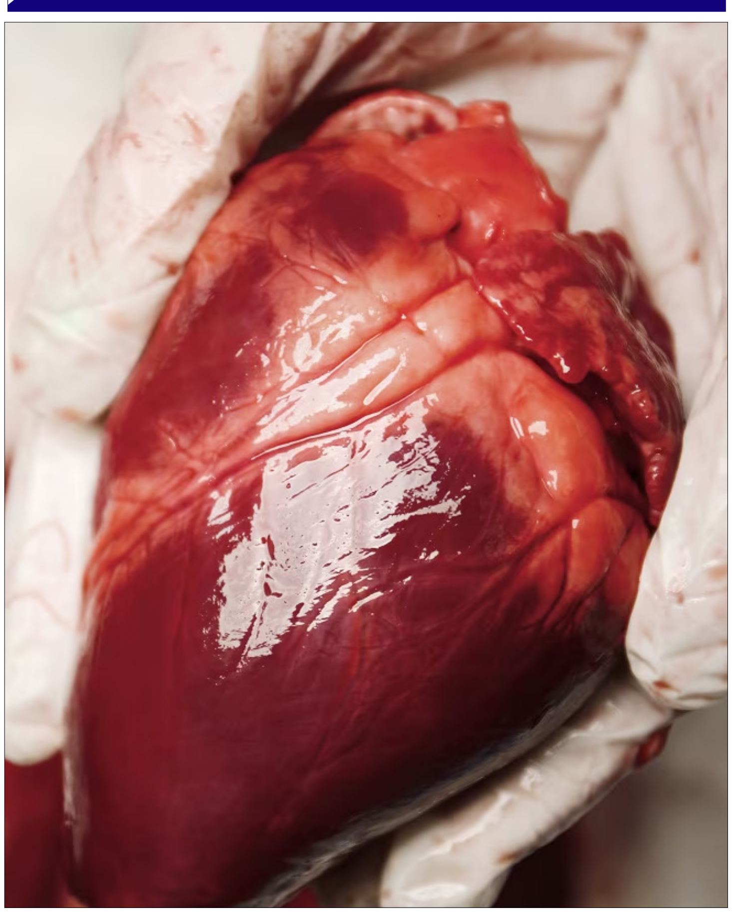

हृदय प्रत्यारोपण दिवस भारत में प्रत्येक वर्ष 3 अगस्त को मनाया जाता है। भारत में हृदय प्रत्यारोपण के प्रयास तो बहुत पहले से चलते रहे, लेकिन पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण 3 अगस्त, 1994 को हुआ था। इसीलिए इस बड़ी उपलब्धि को देखते हुए हर साल 3 अगस्त को ही भारत में हृदय प्रत्यारोपण दिवस मनाया जाता है। यह प्रत्यर्पण भारत के मशहूर हृदय रोग विशेषज्ञ पी. वेणुगोपाल की अगुआई में भारतीय चिकित्सकों की टीम ने सफलतापूर्वक किया था।

इतिहास- अमेरिकी सर्जन नॉर्मन सम्वे ने पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण एक कुत्ते का किया था। कैलिफोर्निया के स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी में यह प्रत्यारोपण 1958 में किया गया था। इसके बाद उन्होंने कई कुत्तों के हृदय का कामयाब प्रत्यारोपण किया। सम्बे ने हृदय प्रत्यारोपण की तकनीक विकसित की जिसका आगे चलकर कई सर्जनों ने इस्तेमाल किया।

3 दिसंबर 1967 को दक्षिण अफ्रीका के कैपटाउन में पहला हृदय प्रत्यारोपण किया गया। दक्षिण अफ्रीका के सर्जन क्रिस्टियन बर्नाड ने इस सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। क्रिस्टियन बर्नाड की टीम में 30 लोग शामिल थे और हृदय प्रत्यारोपण करने में उसे 9 घंटे का वक्त लगा। बर्नाड ने नॉर्मन सम्वे द्वारा विकसित तकनीक का इस्तेमाल किया था। हालांकि 1905 में भी मानव हृदय प्रत्यारोपण की कोशिश की गई थी लेकिन यह कामयाब नहीं हो पाई।

पहला मानवीय हृदय प्रत्यारोपण 53 साल के लुइस वाशकांस्काई नामक मरीज का किया गया। उनके हृदय ने काम करना बंद कर दिया था और वह जिंदगी और मौत से जूझ रहे थे। उनमें 25 साल की डेनिस डरवाल का हृदय प्रत्यारोपित किया था। एक कार दुर्घटना में डेनिस के दिमाग में गंभीर चोटें आई थीं और वह ब्रेन डेड हो गई थीं। डेनिस दूसरों की मदद करने में यकीन करती थीं इसलिए पिता एडवर्ड डरवाल ने अपनी बेटी के अंगदान करने का निर्णय लिया था। डेनिस की किडनी ने दस साल के बच्चे की भी जान बचाई थी।

हृदय प्रत्यारोपण के बाद मरीज लुइस के पहले शब्द थे, मैं अब भी जीवित हूं। निमोनिया के कारण हृदय प्रत्यारोपण के 18 दिन बाद लुइस की मौत हो गई। डॉक्टर क्रिस्टियन बर्नाड के दूसरे मरीज फिलिप ब्लाईबर्ग करीब दो साल तक जीवित रहे। शुरुआत में जिन मरीजों का हृदय प्रत्यारोपण किया गया, वे अधिक समय तक जीवित नहीं रह पाए।

हृदय प्रत्यारोपण कराने वाले मरीजों की लंबी आयु न होने के कारण इसमें कमी आई। 1968 में जहां दुनियाभर में 99 हृदय प्रत्यारोपण किए गए, वहीं 1969 में 47, 1970 में 17 और 1971 में 9 हृदय प्रत्यारोपण ही हो पाए। इसके बाद विशेषज्ञों ने मांग की कि इस क्षेत्र में और शोध की जरूरत है।

भारत में हृदय प्रत्यर्पण- भारत में पहला हृदय प्रत्यर्पण 3 अगस्त, 1994 को दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में सर्जन पी. वेणुगोपाल ने किया था। इस सफल सर्जरी में 20 सर्जन ने योगदान दिया और 59 मिनट में यह सर्जरी की गई। यह सर्जरी देवीराम नामक शख्स की गई थी। सर्जरी के बाद 15 साल तक वह जीवित रहे। इससे पहले हृदय प्रत्यारोपण के लिए विदेश जाना पड़ता था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 3 अगस्त को हृदय प्रत्यारोपण दिवस घोषित किया गया था। उन्होंने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में पहले किए गए पहले हृदय प्रत्यारोपण के अवसर पर रेस कोर्स रोड स्थित अपने आवास पर आयोजित एक समारोह में यह घोषणा की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि एम्स में ऑर्गन रिट्रीवल बैंकिंग संगठन अब एक राष्ट्रीय सुविधा होगी। उन्होंने कहा था कि ये दोनों फैसले देश में हृदय प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने में काफी मददगार साबित होंगे।

आठ सबसे महत्वपूर्ण बातें- हृदय प्रत्यारोपण प्रक्रिया में रोगी के क्षतिग्रस्त हृदय को दाता के स्वस्थ हृदय से बदल दिया जाता है। दाता या तो मृत व्यक्ति हो सकता है या रोगी जिसका मस्तिष्क मर चुका हो। निस्संदेह, हृदय पाने के लिए दाता के परिवार की सहमति की आवश्यकता होगी। यह कोई छोटी सर्जरी नहीं है। इसके साथ बहुत सी चीज़ें आती हैं। इसीलिए लोगों के मन में कई मिथक और जिज्ञासाएं हैं। हृदय प्रत्यारोपण के बारे में आठ सबसे महत्वपूर्ण बातें हैं जो अवश्य जाननी चाहिए।

हृदय प्रत्यारोपण के लिए उम्र कोई बाधा नहीं है- हृदय प्रत्यारोपण के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है। यहां तक ??कि छोटे बच्चे भी हृदय रोग से पीड़ित हो सकते हैं और उन्हें हृदय प्रत्यारोपण की आवश्यकता हो सकती है। 70 या 80 के दशक जैसे बुढ़ापे में लोग भी यह सर्जरी कराते हैं। बीस या तीस के दशक के लोगों की तरह, युवा पीढ़ी भी हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी से गुज़री है। इसलिए हृदय प्रत्यारोपण के लिए कोई विशिष्ट आयु मानदंड नहीं हैं।

ट्रांसप्लांट के बाद जी सकते हैं सामान्य जीवन- सबसे अहम सवाल यह है कि क्या ट्रांसप्लांट के बाद मरीज सामान्य रहेगा? पिछले कुछ वर्षों में हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी के बाद जीवित रहने की संभावना में सुधार हुआ है। महिला बच्चों को जन्म दे सकती हैं, आमतौर पर अपने कार्यालय में काम कर सकती हैं, छुट्टियों पर जा सकती हैं और अपनी इच्छानुसार कुछ भी कर सकती हैं। थोड़ा सावधान रहना होगा कि ज्यादा मेहनत न करें।

दाता की पिछली बीमारी से कोई फर्क नहीं पड़ता- यदि हृदय का दाता किसी घातक बीमारी से पीड़ित था, तो इससे तब तक कोई फर्क नहीं पड़ता जब तक कि उसका हृदय स्वस्थ न हो जाए। आप उसका दिल उधार ले सकते हैं, भले ही उसे किडनी की समस्या हो, वायरल बीमारी हो या हृदय रोग के अलावा कोई अन्य बीमारी हो।

प्रत्यारोपण के बाद देखभाल स्वस्थ जीवन की जड़ है- प्रत्यारोपण के बाद पहले छह महीनों तक रोगी थोड़ा नाजुक होता है। इसलिए उन्हें अतिरिक्त देखभाल और निगरानी की आवश्यकता होती है। एक विशेष आहार, नियमित जांच, दवाएँ, हर चीज़ पर नज़र रखनी होगी। कुछ दवाएँ ऐसी होंगी जो जीवन भर चलती रहेंगी। इसलिए आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि आप इन्हें समय-समय पर अपने प्रियजनों को देते रहें।

एक से अधिक अंग प्रत्यारोपण संभव है- हृदय प्रत्यारोपण के बहुत से रोगियों की किडनी भी खराब हो जाती है। इसलिए, चिकित्सा उद्योग दो या दो से अधिक अंगों को प्रत्यारोपित करने की अनुमति देता है। सबसे पहले हृदय का प्रत्यारोपण किया जाता है और एक-दो दिन बाद दूसरा अंग प्रत्यारोपित किया जाता है।

केवल शारीरिक देखभाल ही पर्याप्त नहीं है- याद रखें कि एक मरीज को हृदय प्रत्यारोपण सर्जरी से गुजरना पड़ा, क्योंकि वह अत्यधिक दर्द में था। बेशक, उस दर्द ने उसे न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी विनाशकारी स्थिति में छोड़ दिया है। इसलिए अपने प्रियजनों को मानसिक रूप से समर्थन देना परम कर्तव्य बन जाता है। वे धीरे-धीरे अपने शारीरिक दर्द से उबर जाएंगे, लेकिन मानसिक रूप से उनकी स्थिति में सुधार करना आपका कर्तव्य बनता है।

हर किसी की प्रतिरोध शक्ति अलग-अलग होती है- यह तथ्य कि किसी और का दिल डाला जाता है, शरीर को बदल देता है। नए दिल के प्रति हर किसी का प्रतिरोध अलग-अलग होता है। प्रत्येक रोगी की यात्रा इस बात से भिन्न होती है कि उनका शरीर नए हृदय पर कैसे प्रतिक्रिया करता है। इसलिए, आपको किसी और की हृदय प्रत्यारोपण यात्रा से प्रभावित नहीं होना चाहिए। कुछ शरीर नए हृदय को तुरंत स्वीकार कर लेते हैं, जबकि कुछ इसे कभी स्वीकार नहीं करते।

डॉक्टर केवल हृदय प्रत्यारोपण पर विचार कर सकते हैं यदि अन्य सभी उपचार विफल हो गए हों- भले ही किसी अन्य उपचार या थेरेपी के माध्यम से आशा की थोड़ी सी किरण हो, डॉक्टर प्रत्यारोपण के लिए नहीं जाएंगे। इसके बजाय, जब कोई अन्य विकल्प नहीं बचता तो डॉक्टर इस उपाय को चुनते हैं और केवल एक डॉक्टर ही इसका निर्णय नहीं करेगा।

पहली बार भरने जा रहे हैं आईटीआर? इन डॉक्यूमेंट्स को रखें तैयार, नहीं तो हो सकता है नुकसान!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप पहली बार टैक्स भरने जा रहे हैं तो यह खबर आपके काम की हो सकती है। आईटीआर फाइल करते समय कई सारे दस्तावेजों की आवश्यकता होती है। बिना डॉक्यूमेंट्स के आईटीआर भरने में आपको दिक्कत आ सकती है। इसलिए जरूरी है कि आईटीआर फाइल करने से पहले आप जरूरी दस्तावेज एकत्र कर लें। इन डॉक्यूमेंट्स से आपको टैक्स में छूट भी मिल सकती है। आइए जानते हैं कि टैक्स भरते समय आपको किन जरूरी दस्तावेजों की आवश्यकता पड़ सकती है।

ITR भरने के लिए जरूरी डॉक्यूमेंट्स- अगर आप नौकरी करते हैं और पहली बार आईटीआर फाइल करने जा रहे हैं तो आपको फॉर्म 16 की जरूरत पड़ेगी। यह फॉर्म आपको आपकी कंपनी देती है। इसमें आपकी सैलरी और टीडीएस कटौती से जुड़ी जानकारी होती है। इसलिए आप इस डॉक्यूमेंट को तैयार रखें।

आपको अपना बैंक स्टेटमेंट भी देना होता है। इसके साथ अगर आपने कोई एफडी कराई है तो उसका इंटरेस्ट सर्टिफिकेट भी देना पड़ता है। आईटीआर फाइल करने में यह डॉक्यूमेंट भी आपकी मदद करेगा।

अगर आप नौकरीपेशा है तो आपको अपनी सैलरी स्लिप भी आईटीआर फाइल करते समय देनी पड़ सकती है। इसलिए कंपनी से सैलरी स्लिप जरूर लें।

अगर आपने कहीं इनवेस्टमेंट किया है तो आपको उसका सर्टिफिकेट या फिर रसीद देनी पड़ सकती है। जैसे बहुत से लोग LIC, PPF, ELSS जैसी योजनाओं में निवेश करते हैं। ऐसे में निवेश की स्लिप संभाल कर रखें। इससे आपको टैक्स में छूट की मदद मिल सकती है।

अगर आप किराए के घर में रहते हैं तो रेंट एग्रीमेंट आपको टैक्स में छूट दिलाने में मदद कर सकता है। इसके साथ अगर आपने होम लोन लिया हुआ है तो उसके डॉक्यूमेंट भी ढ्ढञ्जक्र फाइल करने से पहले तैयार रखें। इससे आपको टैक्स में छूट मिल सकती है।

अगर आपके पास ऊपर बताए गए डॉक्यूमेंट्स हैं तो आईटीआर फाइल करते समय आपको छूट भी मिल सकती है।

मार्केट में बिकवाली लेकिन इस पेनी शेयर में 20% अपर सर्किट, 90 से कम है भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते शुक्रवार को जब शेयर बाजार बिकवाली मूड में था तब पैकेजिंग कंपनी- जंबो बैग के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन जंबो बैग के शेयर की कीमत 69.46 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 20 पर्सेंट बढ़कर 83.35 रुपये तक पहुंच गया। इस तरह, शेयर में अपर सर्किट लग गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। वहीं, कारोबार के अंत में शेयर की कीमत 17.87त्न बढ़कर 81.87 रुपये पर पहुंच गई। पिछले साल शेयर की कीमत 40.71 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो लेवल है।

जंबो बैग लिमिटेड के तिमाही नतीजे की बात करें तो कंपनी का राजस्व वर्ष-दर-वर्ष 9.31 प्रतिशत बढ़कर 30.64 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के 31.64 करोड़ रुपये से राजस्व 3.16 प्रतिशत तिमाही-दर-तिमाही कम हुआ। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में, जंबो बैग लिमिटेड का मुनाफा वर्ष-दर-वर्ष 380.85 प्रतिशत बढ़कर 2.26 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 0.47 करोड़ रुपये था। प्रति शेयर मूल आय में 373.68 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह पिछले वर्ष, 2025 की इसी तिमाही में दर्ज 0.57 रुपये के मुकाबले 2.70 रुपये हो गई।

अपनों को भी नहीं छोड़ रहे ट्रंप, ब्याज न कम करने पर Fed चेयरमैन पर निकाला गुस्सा, कहा- छीन लो इनकी शक्तियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति इस समय फायर मोड में हैं। विदेशों पर टैरिफ लगाकर एक्शन मोड में आए Donald Trump अब अपनों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। फेडरल रिजर्व बैंक के चेयरमैन पर उन्होंने गुस्सा जाहिर किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को फेडरल रिजर्व के बोर्ड से फेड चेयरमैन जेरोम पॉवेल की शक्तियों को छीनना का आह्वान किया। और ब्याज दरों में कटौती नहीं करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक के प्रमुख की आलोचना की।

अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए, ट्रंप ने पॉवेल को जिद्दी कहा। रिपब्लिकन राष्ट्रपति पिछले कई महीनों से फेड अध्यक्ष पर तीखे हमले कर रहे हैं। फेड की जिम्मेदारी कीमतों को स्थिर रखने और रोजगार को अधिकतम करने की है।

बोर्ड को नियंत्रण अपने हाथ में ले लेना चाहिए- डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर पॉवेल दरों में कटौती नहीं करते हैं तो बोर्ड को Federal Reserve Bank का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेना चाहिए और वही करना चाहिए जो सबको पता है कि करना ही होगा!

फेड के सात गवर्नरों में से दो, क्रिस्टोफर वालर और मिशेल बोमन ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि उनका मानना है कि टैरिफ का कीमतों पर एकमुश्त असर होगा और नौकरी बाजार में नरमी आने की संभावना है। नतीजतन, बुधवार को फेड की बैठक में दोनों ने असहमति जताई और ट्रंप की अपेक्षा के अनुरूप दरों में मामूली कटौती की मांग की।

फेड द्वारा शुक्रवार को बाद में यह घोषणा किए जाने के बाद कि गवर्नर एड्रियाना कुग्लर अगले सप्ताह पद छोड़ देंगी, ट्रंप ने कहा कि पॉवेल को भी उनके नक्शेकदम पर चलते हुए पद छोड़ देना चाहिए।

शराब बनाने वाली कंपनी ने दिया 37629 फीसदी का छप्परफाड़ रिटर्न, तिमाही नतीजे आते ही 52 वीक हाई पर पहुंचा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की शराब निर्माता कंपनी रेडिको खेतान लिमिटेड ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2026 की जून तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी के शेयरों ने 1 अगस्त 2025 को अपना नया 52 वीक हाई बनाया। शानदार नतीजों के चलते इसके शेयरों में तूफानी तेजी देखी गई।

कंपनी का नेट प्रॉफिट 73.14 प्रतिशत बढ़कर 130.52 करोड़ हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में 75.38 करोड़ का समेकित शुद्ध लाभ अर्जित किया था।

रेडिको खेतान रामपुर इंडियन सिंगल माल्ट व्हिस्की, जैसलमेर इंडियन क्राफ्ट जिन, मैजिक मोमेंट्स वोदका और 8 पीएम सीरीज जैसे ब्रांड बनाती है। कंपनी ने बताया कि उसका परिचालन राजस्व जून तिमाही में 24.56 प्रतिशत बढ़कर 5,313.51 करोड़ हो गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह 4,265.62 करोड़ था।

प्रेस्टीज एंड एबव ब्रांड की बिक्री 16.8 प्रतिशत बढ़कर 3.84 मिलियन केस हो गई और इसने आईएमएफएल की बिक्री में 41.5 प्रतिशत का योगदान दिया।

कंपनी अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ललित खेतान ने कहा, हमने अपने प्रीमियमीकरण के सफर में उल्लेखनीय प्रगति जारी रखी है। हमारे प्रीमियम पोर्टफोलियो ने मजबूत राजस्व वृद्धि को बढ़ावा दिया है।

4 से 15 अगस्त के बीच कमाई के लिए रहें तैयार, मोतीलाल ओसवाल ने बताया 5 स्टॉक्स का नाम; आएगी तूफानी तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोतीलाल ओसवाल ने जागरण बिजनेस के साथ मोमेंटम स्टॉक्स की लिस्ट शेयर की है। ये ऐसे स्टॉक्स होते हैं जिनमें पिछले कई दिनों या महीनों से तेजी जारी रहती है और आने वाले समय में भी इनमें तेजी जारी रह सकती है। Momentum Stocks लिस्ट अधिकतर 3 से12 महीने की अवधि में शेयरों के रिटर्न के आधार पर तैयार की जाती है। Shares के प्रदर्शन का आकलन किया जाता है। इसके बाद ऐसे स्टॉक्स को पिक किया जाता है, जो आने वाले समय में निवेशकों को फायदा दे सकते हैं। ऐसी ही लिस्ट मोतीलाल ओसवाल ने टॉप 5 बुलिश स्टॉक की शेयर की है, जिनमें 4 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक तेजी जारी रह सकती है।

आइए जानते हैं कि आखिर इस लिस्ट में कौन-कौन से स्टॉक्स शामिल हैं जो आपको इस दौरान फायदा दे सकते हैं।

मोतीलाल ओसवाल ने अपनी मोमेंटम स्टॉक लिस्ट में इन शेयरों को दी जगह- मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में क्वांट प्रोडक्ट्स के प्रमुख (वेल्थ मैनेजमेंट) नील झा ने 5 से 15 अगस्त के लिए ऐसे स्टॉक्स की लिस्ट शेयर की है जिनमें तेजी आने की संभावना है। इस लिस्ट में निम्नलिखित स्टॉक्स शामिल हैं।

कोरोमंडल इंटरनेशनल
भारती एयरटेल
जेके सीमेंट
सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी
मैक्स हेल्थकेयर

इन स्टॉक्स को मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने क्चह्व की रेटिंग दी है। यानी इन्हें खरीदा जा सकता है। ये आने वाले समय में अच्छा रिटर्न दे सकते हैं।

1 शेयर पर 100 रुपये का डिविडेंड दे रही है कंपनी, इसी हफ्ते है रिकॉर्ड डेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में अगले हफ्ते जो कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी उसमें से एक Disa India Ltd भी है। कंपनी एक शेयर पर योग्य निवेशकों को 100 रुपये का डिविडेंड देने का फैसला किया है। बता दें, इस साल कंपनी दूसरी बार एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने जा रही है।

एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 1 शेयर पर योग्य निवेशकों को 100 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। कंपनी ने इस डिविडेंड के लिए 7 अगस्त 2025 की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। यानी इस दिन कंपनी शेयर बाजारों में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेगी।

Disa India Ltd के शेयर इससे पहले इसी साल फरवरी में एक्स-डिविडेंड ट्रेड किया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर 100 रुपये का डिविडेंड दिया था। बता दें, कंपनी नियमित अंतराल पर डिविडेंड देती आ रही है। 2024 में कंपनी ने 2 बार डिविडेंड दिया था। दोनों बार मिलाकर कंपनी ने एक शेयर 200 रुपये का डिविडेंड दिया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

आत्महत्या के एक मामले ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी

चित्रकूट। 29 जुलाई को आत्महत्या के एक मामले ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। 24 वर्षीय सुमन निषाद ने पूर्व कांग्रेस विधायक नीलांशु चतुर्वेदी की गढ़ी स्थित आवास के बाथरूम में खुद को गोली मार ली थी। इस मामले में विधायक की पत्नी अर्चना चतुर्वेदी और सुमन के प्रेमी अरविंद यादव पर अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि सुमन गढ़ी स्थित सर्वेंट क्वार्टर में मां के साथ रह रही थी और घर के कार्यों में मदद करती थी। पिता की मृत्यु करंट लगने से हो चुकी थी। फिलहाल पुलिस ने हथियार जब्त कर लिया है और पूरे मामले की अलग-अलग एंगल से जांच जारी है।लाइसेंसी हथियार से आत्महत्या, आर्म्स एक्ट में केस

जिस रिवॉल्वर से सुमन ने खुद को गोली मारी, वह अर्चना चतुर्वेदी के नाम पर लाइसेंसी थी। पुलिस जांच में सामने आया कि हथियार घर में लापरवाही से खुली जगह पर रखा गया था। इसी आधार पर अर्चना के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, प्रेमी अरविंद यादव पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और 107 (षड्यंत्र) के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।प्रेम संबंध, शादी का दबाव और मानसिक तनाव

सुमन और अरविंद के बीच प्रेम संबंध थे। अरविंद गोशाला में काम करता था और सुमन का परिवार पास में सब्जी की दुकान लगाता था। जब सुमन की मां को यह जानकारी मिली, तो जल्दबाजी में कटनी निवासी युवक से उसकी शादी तय कर दी गई। शादी तय होने के बाद भी अरविंद ने सुमन से संपर्क बनाए रखा। उसने उसे दो बार मोबाइल फोन देकर बातचीत जारी रखी। लेकिन जब मां ने दूसरा मोबाइल भी पकड़ लिया तो तनाव और बढ़ गया। पुलिस की जांच के अनुसार सुमन प्रेमी, मां की सख्ती और शादी के दबाव से मानसिक रूप से बेहद परेशान थी।

घटना का दिन और पारिवारिक पृष्ठभूमि-29 जुलाई को सुमन ने विधायक आवास के बाथरूम में खुद को गोली मार ली। मां सुधिया निषाद ने बताया कि वह यूपी के कटरा गांव से हैं और वर्षों से चित्रकूट में रह रही हैं। सात बच्चों में सुमन पांचवें नंबर की थी। शादी की तैयारी पूरी हो चुकी थी। जनवरी में तिलक हो चुका था और अगस्त में सगाई व अक्टूबर में शादी प्रस्तावित थी।

रायसेन के उमरिया में रेल कोच बनाएगी बीईएमएल, 10 अगस्त को राजनाथ सिंह, अश्विनी वैष्णव करेंगे भूमिपूजन

भोपाल। रायसेन जिले के उमरिया में रेल कोच का निर्माण होगा। बेंगलुरु की भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) लिमिटेड कंपनी 60 हेक्टेयर भूमि पर रेल कोच इकाई स्थापित करेगी। इस इकाई का 10 अगस्त को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भूमिपूजन करेंगे। इनके साथ मुख्यमंत्री मोहन यादव व रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष भी भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होंगे। कुल 1800 करोड़ का निवेश कर स्थापित की जाने वाली इस इकाई से 1575 व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा।

बीईएमएल को 60 हेक्टेयर शासकीय भूमि एक रुपये प्रति एकड़ की दर से 23 मई 2025 को आवंटित की गई थी। जिले में रेल कोच निर्माण इकाई प्रारंभ होने से स्थानीय युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। बेंगलुरु स्थित बीईएमएल विभिन्न प्रकार के भारी उपकरण जैसे अर्थमूविंग, परिवहन, रेलवे और खनन उपकरण बनाती है। यह कंपनी एशिया में अर्थ मूविंग उपकरणों का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है। मप्र में यह कंपनी वंदे भारत कोच भी बनाएगी।इस आयोजन की तैयारी को लेकर हाल ही में मुख्यमंत्री मोहन यादव से मेसर्स बीईएमएल लिमिटेड बैंगलुरु के चेयरमेन, मैनेजिंग डायरेक्टर शांतनु राय, निदेशक रेल एवं मेट्रो राजीव गुप्ता, महाप्रबंधक बीईएमएल चंद्रशेखर और ईडी ओपी सिंह ने सौजन्य भेंट की है।

मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि बीईएमएल द्वारा औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, रायसेन जिला प्रशासन और संबंधित एजेंसियों के साथ संपर्क कर रायसेन जिले की गौहरगंज तहसील के ग्राम उमरिया में अत्याधुनिक रेल कोच फैक्ट्री के शिलान्यास की आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। इकाई को आवंटित शासकीय भूमि को रेल लाइन से जोड़ने के लिए अधिग्रहण की कार्रवाई की जा रही है।

सावधान! बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट वाले वाहनों के नहीं होंगे रजिस्ट्रेशन सहित सभी काम, जारी हुआ नया आदेश

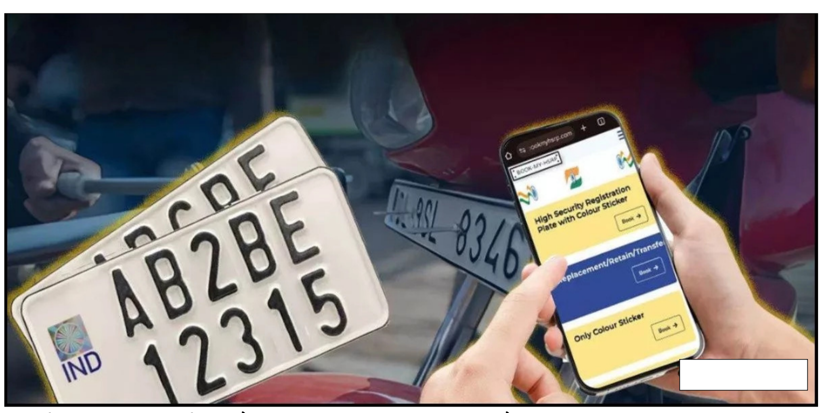

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के आदेश के बाद भी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं लगवाने वाले वाहन मालिकों के विरुद्ध सख्ती की तैयारी है। पुरानी नंबर प्लेट वाले वाहनों की सभी सेवाएं बंद कर दी जाएंगी।

इसमें डुप्लीकेट पंजीयन प्रमाण पत्र जारी करना, पंजीयन प्रमाण पत्र में पता बदलना, शुल्क देकर पंजीयन कार्ड का विवरण देखना, वाहन का मालिकाना हक किसी और को हस्तांतरित करना, पंजीयन निरस्तीकरण, डुप्लीकेट फिटनेस प्रमाण पत्र जैसी सेवाएं शामिल हैं।

परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर कार्रवाई के लिए कहा

परिवहन विभाग के सचिव मनीष सिंह ने परिवहन आयुक्त को पत्र लिखकर कार्रवाई के लिए कहा है। पीयूसी प्रमाण पत्र भी बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के जारी नहीं होगा। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने एक अप्रैल, 2019 के बाद पंजीकृत वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) डीलर के यहां से ही लगाना अनिवार्य किया है। उसके बाद से सभी वाहनों में एचएसआरपी लगाए गए हैं, पर सभी डीलर्स द्वारा मैनजमेंट इन्फारमेशन सिस्टम (एमआइएस) पोर्टल पर वाहनों का डाटा दर्ज करने में ढिलाई की जा रही है।वाहनों में एचएसआरपी लगाने की स्थिति भी ठीक नहीं

इसके अलावा, अप्रैल, 2019 के पहले पंजीकृत वाहनों में एचएसआरपी लगाने की स्थिति भी ठीक नहीं है। प्रदेश में इसके पहले के पंजीकृत सभी प्रकार के 50 लाख से अधिक वाहनों में से लगभग आधे में यानी 25 लाख में एचएसआरपी नहीं लगे हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में दायर रिट याचिका में 27 जनवरी, 2025 को जारी आदेश में सभी राज्यों की समीक्षा में तुलनात्मक स्थिति दी गई है, जिसमें मध्य प्रदेश की स्थिति खराब बताई गई है।अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार से प्रतिवेदन मांगा है। ऐसे में सख्ती करने के आदेश जारी किए गए हैं। आरटीओ की तरफ से अपने-अपने जिले में इसके लिए अभियान भी चलाया जाएगा। आरटीओ के टीमें डीलरों के यहां जाकर देखेंगी कि पोर्टल में एंट्री कहां दिक्कत आ रही है।

रेल यात्रियों को बड़ी सौगात, अब एक ही ऐप में मिलेंगी रेलवे की सभी सुविधाएं

ग्वालियर। भारतीय रेलवे ने यात्रियों की सुविधाओं को डिजिटल रूप से और बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रेल वन ऐप लान्च किया है। यह ऐप यात्रियों के लिए एकीकृत सेवा मंच की तरह काम करेगा, जहां वे एक ही स्थान पर रेलवे से जुड़ी तमाम सुविधाएं आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। रेल प्रशासन का उद्देश्य इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को तेज, सरल और स्मार्ट अनुभव देना है। सरल इंटरफेस और सिंगल साइन-ऑन जैसी तकनीकी खूबियों के कारण यह ऐप यूजर्स के लिए सहज और सुविधाजनक बन गया है।

क्या है रेलवन ऐप?-रेलवन ऐप भारतीय रेलवे की नई डिजिटल पहल है, जो यात्रियों को निम्न सेवाएं एक ही प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराता है। आरक्षित और अनारक्षित टिकट बुकिंग- प्लेटफार्म टिकट- ट्रेन एवं पीएनआर स्थिति की जानकारी- यात्रा योजना बनाने की सुविधा- रेल मदद शिकायत निवारण प्रणाली- ऑनबोर्ड ई-कैटरिंग (भोजन बुकिंग)- माल परिवहन (फ्रेट) पूछताछ सेवा।क्या हैं विशेषताएं?

रेलवन ऐप की सबसे खास बात इसका सिंगल साइन-ऑन सिस्टम है। यानी यूजर को कई पासवर्ड याद रखने की जरूरत नहीं, बल्कि रेल कनेक्ट या यूटीएस ऑन मोबाइल की मौजूदा आईडी से सीधा लॉग इन किया जा सकता है। नए उपयोगकर्ताओं के लिए पंजीकरण भी बेहद आसान है। केवल न्यूनतम जानकारी देकर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। वहीं, जो सिर्फ पूछताछ करना चाहते हैं, वे गेस्ट लॉग इन के माध्यम से मोबाइल नंबर और ओटीपी के जरिए लॉग इन कर सकते हैं।

तीन प्रतिशत की छूट-इस ऐप के माध्यम से आर-वॉलेट से अनारक्षित टिकट (यूटीएस टिकट) बुक करने पर यात्रियों को तीन प्रतिशत की छूट दी जाएगी। आरक्षित टिकट पहले की तरह आईआरसीटीसी पोर्टल से ही उपलब्ध रहेंगे, लेकिन रेलवन ऐप को भी आईआरसीटीसी द्वारा अधिकृत किया गया है।

इंदौरी भक्ति, देश की पहली सीताराम डाक कावड़ यात्रा, नान स्टॉप जर्नी, अद्भुत अनुपम, ऐतिहासिक

इंदौर। ऐतिहासिक और अनोखी। देश में इंदौर की अद्भुत अनुपम और ऐतिहासिक सीताराम डाक कावड़ यात्रा नॉन स्टॉप जर्नी 11वर्षों से निकाली जा रही है इस बार अयोध्या से इंदौर तकरीबन 1100 किलोमीटर का सफर सीताराम भक्त मंडल के कांवड़िए ने बारी बारी से दौड़ते हुए मात्र 3 दिन के रिकॉर्ड समय में पूरा किया हैं यह अनोखी कावड़ यात्रा शुक्रवार शाम को पूर्वी क्षेत्र के अरण्य धाम संत आश्रम स्थित राम रामेश्वर महादेव का मां सरयू के जल से जलाभिषेक किया

अरण्य धाम संत आश्रम अधिष्ठाता महामंडलेश्वर राम जी बाबा, सीताराम भक्त मंडल के कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने बताया कि विधि विधान से पूजन अर्चन के बाद 29 जुलाई को भगवान श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या सरयू तट से शाम 4 बजे जल लेकर सीताराम डाक कावड़ शुरू हुई थी, जो लखनऊ, कानपुर, कालपी, झांसी, शिवपुरी, गुना, शाजापुर होते हुए शुक्रवार को मक्सी देवास के बाद शुक्रवार शाम सीताराम डाक कावड़ यात्रा इंदौर पहुंची। यहां विजय नगर, एलआईजी,पलासिया, रीगल, किशनपुरा छत्री राजवाड़ा देवी मां अहिल्या प्रतिमा को नमन कर , मालवा मिल, गेंदेश्वर महादेव, परदेसी पुरा, पाटनीपुरा ,विजयनगर होते हुए स्कीम नंबर 114 नई सड़क से 78 अरण्य धाम संत आश्रम पर सैकड़ो श्रद्धालु पहुंचे । यहां पर बावड़ी वाले बालाजी , फलाहारी बाबा को नमन करने के साथ राम रामेश्वर महादेव का

मां सरयू के जल से अभिषेक किया इस दौरान क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु एकत्रित हुए और भजन कीर्तन आरती में भी शामिल हुए ।

यह आई और वो गई...देखते रह गए और आंखों से ओझल हो गई डाक कावड़- सीताराम डाक कावड़ कि यह खासियत है कि वह लगातार दौड़ते हुए भक्त अपना नियत स्थान बदल लेते हैं और एक ही कावड़ को लेकर दौड़ते हैं देखने वाले भी अचंभित हैं की कावड़ यह आई और वह गई। देखते देखते ही कावड़ आंखों से ओझल हो रही थी, इस बार भक्तों ने रिकॉर्ड 3 दिन में1100 किमी का सफर तय कर लिया है।

200 भक्त, 2 दर्जन संत महात्मा, 20 से ज्यादा चार पहिया वाहन, दर्जनों दो पहिया वाहन भी यात्रा में पूरे समय साथ रहे

सीताराम डाक कावड़ में 200 श्रद्धालु भक्त मंडल और दो दर्जन से ज्यादा संत महात्मा साथ 30 से ज्यादा चार ओर दो पहिया वाहनों के काफिले से चल रहे हैं एक डाक कावड़ को लेकर 100 से 150 मीटर पर कावड़िया अपनी बारी का इंतजार करते हुए इसे लेकर दौड़ते हुए इंदौर लाए जो कि देशभर में रिकॉर्ड रहा है।

पूरे मार्ग में स्वागत के लिए लगी कतार, सैकड़ों संत महात्मा और भक्त बने साक्षी- सीताराम भक्त मंडल के कमलेश्वर सिंह सिसोदिया ने बताया कि यात्रा मार्ग जहां से भी गुजरी वहां स्थानीय संत महात्माओं और श्रद्धालुओं की स्वागत के लिए कतारे लगी रही,मां सरयू,मां गंगा, राम रामेश्वर महादेव, हर हर महादेव का जय घोष होता रहा। इंदौर शहर में डेढ़ घंटे के भ्रमण पर 25 से 30 मंचों से स्वागत हुआ, खूब फूल बरसाए।

सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारी हेलमेट पहनने संबंधी निर्देशों और प्रावधानों का अनिवार्य रूप से करें पालन

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले के समस्त कार्यालय प्रमुखों को निर्देशित किया है कि हेलमेट लगाने के संबंध में जारी निर्देशों और प्रावधानों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जाये। सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारी इसका पालन अनिवार्य रूप से करें। इस संबंध में यह सुनिश्चित किया जाये कि आपके कार्यालय में दो पहिया वाहनों से आने वाले सभी अधिकारी/कर्मचारी हेलमेट पहन कर ही आयेंगे। इस संबंध में जारी पत्र में कहा गया है कि समय-समय पर केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा भी निर्देश दिये गये हैं। साथ ही मध्यप्रदेश मोटर यान मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा-129 में स्पष्ट प्रावधान है कि प्रत्येक दो पहिया वाहन सवारी तथा वाहन चालक अनिवार्य रूप से आईएसआई मार्क हेलमेट (सुरक्षात्मक टोप) पहनेंगे। बिना हेलमेट धारण किये चलने वाले दो पहिया वाहन चालकों की सड़क में दुर्घटना एवं असामयिक मृत्यु होने का खतरा बना रहता है। इस संबंध में पृथक से प्रतिबंधात्मक आदेश भी जारी किये गये हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कलेक्टर कार्यालय और सभी अनुविभागीय अधिकारी कार्यालयों के शासकीय सेवकों को भी इस संबंध में पृथक से निर्देश जारी करते हुए हेलमेट पहनने संबंधी निर्देशों और प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने को कहा है। कहा गया है कि जो कर्मचारी दो पहिया वाहनों से कार्यालय आते हैं वे हेलमेट पहनकर ही आयें।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा हेलमेट पहनने संबंधी जारी निर्देशों का आज विभिन्न कर्मचारी संगठनों ने समर्थन किया है।

केवल परंपरागत मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं का ही उत्पादन व विक्रय होगा

इंदौर। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के निर्देशानुसार मूर्ति निर्माण में पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों के पालन हेतु आज कलेक्टर कार्यालय इंदौर में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी श्री रोशन राय द्वारा की गई। इस अवसर पर नगर निगम, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा मूर्तिकार संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में श्री रोशन राय ने प्रदूषण की रोकथाम के लिये राष्ट्रीय हरित अधिकरण एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी की गई गाईड लाईन और निर्देशों के बारे में मूर्तिकारों को जानकारी दी गई। निर्देश दिये गये कि वे गाईड लाईन और निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाये। बैठक में मूर्ति निर्माण हेतु उपयोग की जाने वाली सामग्री एवं प्रक्रिया को पर्यावरण के अनुकूल बनाने पर विशेष बल दिया गया। मूर्तिकारों को निर्देशित किया गया कि वे भगवान श्री गणेश एवं माता दुर्गा की मूर्तियों के निर्माण में केवल उन्हीं प्राकृतिक सामग्रियों का ही इस्तेमाल किया जाये, जैसा कि पुराने ग्रन्थों में उल्लेखित है। मूर्तियों के निर्माण में परंपरागत मिट्टी का ही उपयोग किया जाये। पकी हुई मिट्टी, पी0ओ0 पी0 (प्लास्टर ऑफ पेरिस) या किसी प्रकार के केमिकल व रासायनिक वस्तुओं का उपयोग मूर्ति निर्माण में किया जाना प्रतिबंधित रहेगा।

25 अक्टूबर तक हर सड़क दुरुस्त हो - महापौर श्री भार्गव ने दिए अधिकारियों को सख्त निर्देश

इंदौर। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव द्वारा इंदौर शहर की सड़कों की स्थिति को लेकर सिटी बस कार्यालय में नगर निगम अधिकारियों एवं कंसल्टेंट, ठेकेदारों के साथ सिटी बस कार्यालय पर उच्च स्तरीय बैठक की गई। बैठक में महापौर ने निर्देश दिए कि 25 अक्टूबर 2025 तक इंदौर शहर एवं आस-पास की सभी सड़कों का निर्माण कार्य एवं पेंचवर्क अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए। बैठक में जनकार्य प्रभारी श्री राजेंद्र राठौर, अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री श्री डी आर लोधी सहित संबंधित अधिकारी सम्मिलित हुए।

महापौर श्री भार्गव ने बताया कि शहर की 23 प्रमुख मास्टर प्लान की सड़कों पर चार पैकेज में कार्य प्रारंभ हो चुका है, जिनकी समीक्षा आज की गई। निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। महापौर ने कहा, सभी विभाग परस्पर समन्वय से कार्य करें और तय समय-सीमा में परिणाम दें। बारिश में खराब हो रही डामर सड़कों की मरम्मत का जिम्मा जिन एजेंसियों को था, उनके लापरवाह रवैये पर नाराजगी जताते हुए महापौर ने उनके विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि जिन ठेकेदारों ने कार्य करने के बाद पेंचवर्क नहीं किया, उनसे न केवल जवाब तलब किया जाएगा बल्कि कार्यवाही कर दोबारा उन्हीं से कार्य पूर्ण करवाया जाए। साथ ही कुछ मास्टर प्लान की सड़कों पर नियम विरुद्ध नक्शे पास करने वाले अधिकारियों पर भी सख्त कार्यवाही की जाएगी।

महापौर ने कहा कि शहर में जहां भी निर्माण कार्य चल रहे हैं, वहां निर्माण से संबंधित जानकारी एवं सूचना का बोर्ड लगाकर नागरिकों को जानकारी दी जाए। बारिश के कारण हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर क्षरण की मरम्मत मानसून उपरांत तेज़ी से की जाएगी।

दो दिवसीय मुख्यमंत्री बाल खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव सफलतापूर्वक सम्पन्न

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष निर्देश पर निराश्रित बच्चों के लिये इंदौर में दो दिवसीय मुख्यमंत्री बाल खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग डॉ. संध्या व्यास ने बाल भवन इंदौर में इसका शुभारंभ किया। शुभारंभ के पश्चात खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में दौड़, खो-खो, बेडमिन्टन, कैरम, शतरंज एवं अन्य खेलो में बालक एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महोत्सव के द्वितीय चरण में दूसरे दिन बच्चों द्वारा रंग-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गईं। प्रथम, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारीगण श्रीमती सुनीता यादव, सुश्री शुभांगी मुजुमदार, श्री विष्णुप्रताप सिंह राठौर एवं श्रीमती संगीता विजयवर्गीय आदि विशेष रूप से मौजूद थे।

इंदौर में अव्यवस्थित और अवैध रूप से खड़ी बसों पर बड़ी कार्रवाई - 8 बसें जब्त

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आशीष सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) इंदौर और प्रशासनिक टीम द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर लोक परिवहन में लापरवाही बरतने वाले बस संचालकों पर सख्त कार्रवाई की गई। बेतरतीब तरीके से खड़ी होकर आमजन के रास्ते में बाधा उत्पन्न कर रहीं 8 बसों को जब्त किया गया। यह कार्रवाई तहसीलदार श्री कमलेश कुशवाह एवं श्री शिवशंकर जरोलिया के मार्गदर्शन में आरटीओ टीम द्वारा की गई। चेकिंग के दौरान बसों के फिटनेस, परमिट, बीमा, पीयूसी, टैक्स प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही ओवरलोडिंग, अधिक किराया वसूलने, स्पीड गवर्नर की अनुपस्थिति जैसे बिंदुओं की भी गहनता से जांच की गई। उक्त बसें पटेल प्रतिमा, मधुमिलन चौराहा, रिंग रोड, मूसाखेड़ी क्षेत्र से जप्त की गई। कुछ बसें आम रास्ते पर सवारी बैठाते हुए, तो कुछ बीच सड़क पर सफाई व मरम्मत करते हुए पाई गईं। इनसे आमजन को असुविधा हो रही थी। टीम द्वारा आम नागरिकों को अपने वाहनों में एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) लगवाने हेतु प्रेरित भी किया गया। प्रशासन द्वारा बस संचालकों से अपील की गई है कि वे बसों का संचालन केवल निर्धारित स्थानों से ही करें। अन्यथा नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों को जप्त करने की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

इंदौर आरटीओ ने एक ही दिन में वसूला डेढ़ करोड़ रूपये से अधिक का बकाया मोटरयान कर

इंदौर। परिवहन आयुक्त श्री विवेक शर्मा द्वारा विगत माह प्रदेश के समस्त आरटीओ की वीडियो कान्फ्रेंसिंग से ली गई बैठक में दिये गये निर्देशों के परिपालन में वाहनों पर बकाया मोटरयान कर की वसूली हेतु कार्ययोजना तैयार कर अभियान चलाकर वसूली की जा रही है। इसी क्रम में गत दिवस केवल एक ही दिन में 91 वाहनों से 1 करोड़ 52 लाख 90 हजार 392 रूपये बकाया मोटरयान कर की वसूली की गई।

इंदौर जिले में लागू हुआ नो हेलमेट - नो पेट्रोल आदेश - उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई भी शुरू

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा नो हेलमेट - नो पेट्रोल के संबंध में जारी प्रतिबंधात्मक आदेश आज से जिले में प्रभावी रूप से लागू हो गया है। इस आदेश का पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। सख्त कार्रवाई करते हुए जारी प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करने पर एक पेट्रोल पंप को सील किया गया है। इस आदेश का उद्देश्य सड़क सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू कर आमजन में ट्रैफिक अनुशासन को बढ़ावा देना है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आदेश के प्रभावी पालन हेतु संबंधित क्षेत्र के एसडीएम के नेतृत्व में विशेष निरीक्षण दल गठित किए हैं, जो जिले भर के पेट्रोल पंपों पर सतत निरीक्षण कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान यदि कोई पंप दोपहिया वाहन चालकों को बिना हेलमेट के पेट्रोल देते पाया जाता है, तो उस पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज ग्राम अरंडिया स्थित एक पेट्रोल पंप को आदेश के उल्लंघन के चलते मौके पर ही सील कर दिया गया। यह कार्रवाई एसडीएम कनाडिया श्री ओमनारायण बड़कुल के निर्देशन में की गई।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

श्री महाकालेश्वर भगवान की चतुर्थ सवारी में 4 जनजातीय एवं लोक नृत्य कलाकारों के दल सहभागिता करेगे

उज्जैन । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशानुरूप बाबा श्री महाकालेश्वर की सवारी के भव्य स्वरुप के साथ 04 जनजातीय कलाकारों के दल श्री महाकालेश्वर भगवान की चतुर्थ सवारी में सहभागिता करेगा।

जिसमे श्री मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में धार से भगोरिया नृत्य , श्री मोजीलाल ड़ाडोलिया छिंदवाड़ा का भारिया जनजातीय भडम नृत्य , उज्जैन के सुश्री कृष्णा वर्मा के नेतृत्व में मटकी लोक नृत्य, श्री राहुल धुर्वे सिवनी के नेतृत्व में गोंन्ड जनजातीय सैला नृत्य सम्मिलित है 7 यह सभी दल श्री महाकालेश्वर भगवान की सवारी के साथ अपनी प्रस्तुति देते हुए चलेगे 7

सभी जनजातीय दल संस्कृति विभाग भोपाल, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद व त्रिवेणी कला एवं पुरातत्वव संग्रहालय के माध्यम से भगवान श्री महाकालेश्वर जी की चतुर्थ सवारी सहभागिता करेगे 7

दलों का परिचय

1. भील जनजातीय भगोरिया नृत्य, धार भगोरिया मुख्य रूप से भील जनजाति का त्योहार है लेकिन इसमें भिलाला और पटेलिया जैसी अन्य जनजातीया भी भाग लेती है 7 भगोरिया मध्य प्रदेश की भील जनजाति का एक प्रसिद्ध त्यौहार और मेला है, जो झाबुआ, अलीराजपुर और धार जिलों में मनाया जाता है 7 यह होली से पहले सात दिनों तक चलता है और इसे भगोरिया हाट भी कहा जाता है ।

भगोरिया, भील समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव है, जिसमें युवक-युवती अपने जीवनसाथी का चुनाव करते हैं, और इस दौरान मेले, नृत्य और पारंपरिक संगीत का आयोजन होता है 7 यह नृत्य होली से 7 दिन पहले भगोरिया उत्सव के दौरान किया जाता है. यह झाबुआ, अलीराजपुर और धार जिलों में प्रसिद्ध है. भगोरिया नृत्य में पुरुष और महिलाएँ दोनों भाग लेते हैं, और इसे गैर कहा जाता है।

2. भारिया जनजातीय भडम नृत्य, छिंदवाड़ा भड़म नृत्य भारिया जनजाति का एक लोकप्रिय लोक नृत्य है, जो छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में होता है । इस समाज के हर उम्र के लोगों को नृत्य कला का पूरा ज्ञान होता है। इनके वाद्य यन्त्र भी विशेष आकर्षण लायक होते हैं, ये आकार में बड़े और गोल होते हैं। ये अपने सभी वाद्य यंत्रों का निर्माण स्वयं करते हैं। यह नृत्य समूहों में किया जाता है, जिसमें ढोल और टिमकी जैसे वाद्य यंत्रों का उपयोग किया जाता है । भारिया जनजाति के लोग भड़म नृत्य अपने हर्ष एवं उल्लास व्यक्त करते हुए करते हैं।

नगर निगम कर्मियों पर आरोप, अवैधानिक रूप से की सामान की जप्ती

उज्जैन। महाकाल थाना क्षेत्र में नगर निगम कर्मचारियों पर ठेले पर सामान बेचने वाली महिला मंजू चौहान ने अवैधानिक रूप से सामान जप्ती का आरोप लगाया है। आईजी के नाम सीएसपी को सौंपी शिकायत में कहा कि पथ विक्रेता कानून 2014 के अनुसार मेरे पास वेडिंग सार्टीफिकेट है तथा ठेले गाडी पर बैठकर रोजगार करती हूं। 2 अगस्त को मनीष बाली सहकर्मी चोधरी द्वारा मेरी दो ट्रे स्टील की जप्त कर ली है जिसमें 17047 रूपये के स्टील, ताम्बे, पीतल व अष्ट्धातु के सामान है। ये जब्ती की कार्रवाई बिना सीजर मेमो दिये अवैधानिक रूप से की गई। ऐसे में दोनों के खिलाफ पुलिस प्रशासन द्वारा लूट का प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई।

मंजू चौहान ने कहा कि नगर निगम के कर्मचारी अपने खास लोगों के ठेले लगवाने के बदले में पैसो की मांग करते हैं। हम लोग पैसे नहीं देते है। इस कारण अवैधानिक रूप से मेरे सामान की जप्ती की गई। संसद में 2014 में पथ विक्रेता कानून पास किया गया है जिस पर म.प्र. सरकार ने रूल स्कीम बनाई है जिसके तहत पथ विक्रेता को वेडिंग सर्टीफिकेट नगर निगम से रोजगार हेतु जारी किया गया है। एक्ट के अनुसार किसी भी पथ विक्रेता का बिना सूचना दिये सामान जप्त करना सीजर मेमो न देना कानून का उल्लंघन है। इस प्रकार की जप्ती अवैधानिक लूट व डकैती भारतीय दंड विधान की श्रेणी में आती है। मंजू चौहान ने कहा कि 2 अगस्त को सुबह 11.15 बजे मनीष बाली ओर गेंगकर्मी चौधरी व अन्य कर्मी ठेले हटाने आए। दोनो ने मेरे ठेले पर रखी स्टील की दो ट्रे जिसमें तांबे-पीतल-स्टील के 30.07.2026 को खरीदे गये 17047 सामान था। उसे सीजर मेमो न देते हुए भारतीय संविधान के अंतर्गत बने कानून व नियमो का खुला उल्लघंन कर मनीष बाली व उसके सहयोगी चोधरी द्वारा ठेले पर से ट्रे उठाकर अवैधानिक रूप से लूट जैसा कृत्य किया है। पुलिस को शिकायत कर मांग की कि एक्ट के अनुसार इन सभी पर लूट की कार्यवाही करते हुए प्रकरण दर्ज किया जाए।

लायंस क्लब अभिनव कपल के अध्यक्ष राजेश सोनी, सचिव जितेंद्र चौहान मनोनीत

उज्जैन। लायंस क्लब अभिनव कपल के गाइडिंग लायन संजय सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से वर्ष 2025-26 के लिए लायन राजेश सोनी को अध्यक्ष, लायन जितेंद्र सोनी को सचिव एवं लायन दौलत सोनी को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। नवीन कार्यकारिणी में प्रथम उपाध्यक्ष लायन पुनीत सोनी, द्वितीय उपाध्यक्ष लायन ठाकुर सोनी, तृतीय उपाध्यक्ष लायन प्रकाश सोनी, सह सचिव लायन शिवम सोनी, सहकोषध्यक्ष लायन बंटी सोनी और क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन वीपिन सोनी को मनोनीत किया गया।

केंद्रीय कमेटी का पैकेज बताने का अधिकार कलेक्टर को लेकिन अवगत कराया एमडी ने

उज्जैन। विक्रम उद्योगपुरी योजना उज्जैन से प्रभावित होने वाले 7 गांव के किसानों ने जमीन अधिग्रण का विरोध करते हुए एक बार फिर शासन पर मनमानी तथा तानाशाही का आरोप लगाया है। किसानों ने कहा विक्रम उद्योगपुरी से प्रभावित 7 गांव के किसानों को केंद्रीय कमेटी का पैकेज बताने का अधिकार कलेक्टर और एसडीएम को था लेकिन एमपीआईडीसी के एमडी राजेश राठौर के द्वारा गांव चैनपुर हँसखेड़ी, कड़छा, नरवर मुंजाखेड़ी, पिपलोदा, गांवड़ी और माधोपुर 7 गांव के सरपंचों को बुलाकर अवगत कराया गया जो कि गलत है।

विक्रम उद्योगपुरी से प्रभावित 7 गांव के किसानों ने विक्रम उद्योगपुरी के गेट में 7 दिन का धरना दिया था उसमें कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार और एमपीआईडीसी के एमडी राजेश राठौर के बीच में 3 घंटे मीटिंग में यह निर्णय लिया कि धरना खत्म कर दो और आपका मांग पत्र दो तो हमारे मांग पत्र में हमने 60 से 80 लाख रुपए 7 गांव की जमीन के मुआवजे की मांग की थी तो इन्होंने बोला था कि 2 महीना का समय दो केंद्रीय कमेटी से मंजूर करवाएंगे। 2 महीने पूरे हो गए हैं तो इन्होंने इंदौर के एक अखबार में बताया कि हम केंद्र कमेटी से मुआवजा मंजूर करवारकर लाए हैं।

देश की सेवा कर सकुशल घर लोटे सेवानिवृत वीर सपूत का किया भव्य स्वागत

उज्जैन । भारतीय सेना की सिगनल रेजीमेंट से अपनी 22 वर्ष की सेवा पूर्ण कर एसीपी हवलदार वीरेंद्र मीणा सेवानिवृत्त होकर देश की सेवा कर सकुशल घर आने पर एमआईसी सदस्य व पार्षद वार्ड 06 एवं संस्कृति रक्षक मंच अध्यक्ष शिवेंद्र तिवारी के नेतृत्व मे क्षेत्रवासियों ने गर्मजोशी के साथ जगह जगह पुष्पमालो से और पुष्पवर्षा कर किया भव्य स्वागत।

यह जानकारी देते हुए दीपक सैनी ने बताया की स्वागत समारोह के दौरान एमआईसी सदस्य एवं वार्ड 6 के पार्षद तथा संस्कृति रक्षक मंच के अध्यक्ष शिवेंद्र तिवारी ने कहा की एक फौजी अपने माता-पिता,भाई- बहन घर परिवार से दूर अकेले जंगलों में रहकर देश की सेवा में देश की सेना के साथ हर मौसम में समर्पित रहकर अपनी जान जोखिम में डालकर देश के नागरिकों की सुरक्षा में जुटा रहता है। जब वह देश सेवा का जुनून लिए सेना में भर्ती होता है, उस वक्त उसके परिजनों पर क्या बीतती है यह तो वही जान सकते हैं। सेना में भर्ती जवान को यह भी पता नहीं होता है कि वह वापस जिन्दा आएगा या नहीं। जब वह अपना काम पूरा कर देश की सेवा समाप्ति पश्चात् सकुशल घर वापसी करता है तो उसके चेहरे की रोनक अलग ही झलकती है। ऐसे वीर जवान की झलक देखने हर कोई उत्सुक रहता है। श्री तिवारी ने कहा कि वीरेंद्र मीणा जैसे सैनिक हमारे समाज की शान हैं,जिन्होंने सीमाओं पर रहकर देश की रक्षा की है और हमें सुरक्षित रखा है।भारतीय सेना की सिगनल रेजीमेंट से 22 वर्ष की सेवा पूर्ण कर एसीपी हवलदार वीरेंद्र मीणा पिता गिरधारीलाल मीणा सेवानिवृत्त होकर अपने घर लौट आए।देश की सेवा कर सकुशल घर आने पर संस्कृति रक्षक मंच के कार्यकर्ताओ व क्षेत्रवासियो द्वारा जगह जगह भव्य पुष्पमाला पहनाकर पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया।हर कोई फूल माला लिए रिटायर्ड फौजी का स्वागत सत्कार करने को आतुर था।इस अवसर पर वार्डवासियों एवं संस्कृति रक्षक मंच के कार्यकर्ता रघुनाथ चौहान, मोहन चौहान, दीपक सैनी,आशीष प्रजापत,संजय वर्मा,अनिल पांचाल,संजय सिंह जादौन,भरत जयसवाल,आशीष जयसवाल, पवन तिवारी,ऋषि प्रजापत, उमेश पर्चेया,रविशंकर पंवार, महेश पर्चेया,राजेश परमार, संतोष वर्मा,कालू ठाकुर,अजय परमार,योगेश प्रजापत, बालकृष्ण राठौर,विजय बैरागी सहित बड़ी संख्या मे महिला पुरुष सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

उज्जैन में हुआ तृतीय राज्य स्तरीय परंपरागत लाठी खेल स्पर्धा का भव्य शुभारंभ

उज्जैन। मध्यप्रदेश में परंपरागत लाठी खेल को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने हेतु आयोजित तृतीय राज्य स्तरीय परंपरागत लाठी खेल स्पर्धा का शुभारंभ 2 अगस्त को क्षीर सागर कुश्ती एरिना ग्राउंड, उज्जैन में हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विक्रम विश्वविद्यालय के सिंडिकेट सदस्य राजेश सिंह कुशवाह ने अपने उद्बाटन भाषण में कहा कि खिलाड़ी भारत माता के भाल पर तेजस्विता का तिलक हैं। वे अपने खेल कौशल, तकनीकी आधार और अनुशासन से राष्ट्र को गौरवान्वित करते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्या भारती मालवा प्रांत के सह सचिव अनुराग जैन ने की। उन्होंने कहा कि लाठी भारतीय परंपरा का एक शक्तिशाली एवं रक्षात्मक हथियार है। वर्तमान समय में युवाओं को सशक्त एवं आत्मरक्षित बनाने में इसकी महती भूमिका है। विशेष अतिथियों में भारतीय परंपरागत लाठी खेल संघ के अध्यक्ष ठाकुर शिव प्रताप सिंह, राजपाल सिंह सिसोदिया एवं आनंद पंड्या सम्मिलित हुए।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com